न्यूज डायरी

कनाडा में 12 साल के बच्चे ने खोजा 7 करोड़ साल पुराना डायनासोर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओटावा। कनाडा में एक 12 साल के बच्चे के हाथ करीब 7 करोड़ साल पुराना बेहद अनमोल खजाना हाथ लगा है। दरअसल, कनाडा का रहने वाला 12 साल का नाथन ह्रस्किन अपने पिता के साथ गर्मियों की छुट्टी में पैदल यात्रा पर निकला था। इसी दौरान उसने 6 करोड़ 90 लाख साल पुराने डायनासोर का अवशेष ढूढ़ निकाला। नाथन बड़ा होकर जीवाश्म विज्ञानी बनना चाह रहा था लेकिन उसकी यह इच्छा 12 साल की उम्र में ही पूरी हो गई। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक नाथन और उनके पिता डियान संरक्षण स्थल हॉर्सशू केनयॉन गए थे जो कनाडा के अल्बार्टा में है। इसी दौरान नाथन ह्रस्किन ने आंशिक रूप से बाहर निकले डायनासोर के जीवाश्म को देखा। नाथन ने कहा, यह बहुत ही रोचक खोज है। यह एक असली डायनासोर खोजने के जैसे है। इसे खोज निकालना मेरा सपना था। विशेषज्ञों का कहना है कि नाथन की यह खोज बेहद अहम है।

चीन के अधिकारियों ने ताइवान के अधिकारी को पीटा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सूवा। गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों पर छिपकर हमला करने वाले चीन के राजनयिकों के अब फिजी में जानलेवा हमला करने की शर्मनाक घटना सामने आई है। प्रशांत महासागरीय देश फिजी में चीनी दूतावास के अधिकारियों ने सभी राजनयिक नियमों को धता बताते हुए ताइवान के एक अधिकारी पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में ताइवान का अधिकारी बुरी तरह से घायल हो गया है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ताइवान के अधिकारी के सिर में चोट आई है। इस घटना के बाद अब चीन और ताइवान के बीच तनातनी प्रशांत महासागरीय देश फिजी तक पहुंच गई है। फिजी में दोनों ही देश अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि चीनी अधिकारियों के हिंसक हमले की यह घटना 8 अक्टूबर को सूवा के एक होटल में बनाए गए ताइपे ट्रेंड ऑफिस के रिसेप्शन पर हुई।

इमरान खान अयोग्य और अज्ञानी हैं, उन्होंने पाक के लोगों को धोखा दिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के नेताओं ने यहां एक रैली में कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ''अयोग्य और अज्ञानी'' हैं और उनकी सरकार तानाशाही शासन से भी बेकार है। पीडीएम 11 विपक्षी दलों का गठबंधन है। उसने यहां अपनी दूसरी रैली में यह कहा। विपक्षी दलों ने 20 सितम्बर को पीडीएम का गठन किया था और तीन चरण में सरकार विरोधी अभियान चलाने की घोषणा की थी। इसके तहत इमरान खान की अगुवाई वाली पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) सरकार को सत्ता से बेदखल करने के लिए देश भर में जन सभाएं, प्रदर्शन और रैलियां की जाएंगी और जनवरी 2021 में इस्लामाबाद के लिए लंबा मार्च निकाला जाएगा। लाहौर के पास गुजरांवाला में शुक्रवार को पहली रैली निकाली गई थी। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने बाग-ए-जिन्ना में कहा, '' अयोग्य और अज्ञानी प्रधानमंत्री को अब घर जाना होगा। ''

बांग्लादेश के 50वें स्वतंत्रता दिवस पर ढाका जाएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। भारतीय सेना की मदद से वर्ष 1971 में पाकिस्तान की गुलामी से आजादी पाने वाले बांग्लादेश के 50वें स्वतंत्रता दिवस जश्न में हिस्सा लेने के लिए अगले साल ढाका आएंगे। बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने ढाका में भारतीय राजदूत को पीएम मोदी के बांग्लादेश आने का आमंत्रण दिया था जिसे भारतीय प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया है। प्रधानमंत्री 26 मार्च को बांग्लादेश के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होंगे। बांग्लादेश के विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन ने पत्रकारों से कहा, हमने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अगले साल 26 मार्च को देश के 50वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। इसे स्वीकार कर लिया गया है। मोमेन ने भारतीय राजदूत विक्रम दोराईस्वामी से मुलाकात की थी।

सैनिक पर नरम पड़े चीनी मीडिया के सुर, कहा-इससे विश्वास बढ़ेगा

बदले सुर

लद्दाख के डेमचॉक से भारतीय सेना ने पकड़ा चीनी सैनिक, कॉरपोरल रैंक पर है तैनात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। भारत ने लद्दाख के डेमचॉक इलाके से एक चीनी सैनिक को पकड़ा है। यह सैनिक चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी में कॉरपोरल के पद पर तैनात है। इसके बाद से ही बार-बाद जंग की धमकी देने वाली चीनी मीडिया ग्लोबल टाइम्स के सुर नरम पड़ गए हैं। चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है कि भारत बॉर्डर पर खोए इस सैनिक को जल्द ही लौटा सकता है। इससे दोनों देशों के बीच विश्वास बढ़ेगा।

जवान की वापसी के लिए भारत-चीन में बातचीत जारीः एक दिन पहले तक भारत को अति आत्मविश्वासी और अमेरिका के इशारों पर चलने वाला बताने वाले ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है कि चीन और भारत सैनिक के वापसी के मुद्दे पर लगातार बातचीत कर रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच सैनिक की वापसी को लेकर जारी संवाद सकारात्मक दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है। चीन और भारत पहले इस मामले पर एक समझौते पर पहुंचे हैं और अब दोनों पक्ष इस मुद्दे को सुलझाने की ओर बढ़ रहे हैं।

सैनिक की वापसी से नहीं होंगे संघर्षः ग्लोबल टाइम्स ने अपना सुर नरम करते हुए कहा कि सैनिक की वापसी से सीमावर्ती क्षेत्रों में नए संघर्ष नहीं होंगे। इससे मामला सुलझाने से द्विपक्षीय वार्ता में नई प्रगति का संकेत मिलेगा। चीन और भारत इसके कई हिस्सों के साथ अलग-अलग कारणों से निर्जन सीमा साझा करते हैं। संकेतक या उचित उपकरण के बिना इन इलाकों में खो जाना आम बात है।

सही प्रक्रिया का पालन कर रहे दोनों देशः चीन की सरकारी मीडिया ने सिंघुआ विश्वविद्यालय में नेशनल स्ट्रेटजी इंस्टीट्यूट में अनुसंधान विभाग के निदेशक कियान फेंग के हवाले से दावा किया कि दोनों पक्षों के खोए हुए सैनिकों से संबंधित कई ऐसी ही घटनाएं पहले भी हुई हैं। एक लापता सैनिक के दूसरी ओर से पाए जाने के बाद की सामान्य प्रक्रियाओं में उसकी पहचान की पुष्टि करना, आवश्यक जांच करना और दूसरी तरफ को शामिल करना शामिल है।

बातचीत पर नहीं पड़ेगा कोई असर एक्सपर्ट ने ग्लोबल टाइम्स से कहा कि चीन और भारत ने अब तक इस घटना से निपटने के लिए सही प्रक्रिया का पालन किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस घटना से दोनों पक्षों के बीच जारी बातचीत पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। दोनों पक्ष मिलकर इस घटना को सुलझाने और लापता सैनिकों को वापस भेजने के लिए काम कर रहे हैं। हालांकि, सीमा विवाद के कारण दोनों देशों में तनाव अब भी जारी है।

सातवें दौर की बातचीत को बताया सकारात्मकः ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि चीन और भारत ने पिछले सप्ताह वरिष्ठ कमांडरों की बैठक के 7 वें दौर को पूरा किया है। जिसके बाद चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि बैठक सकारात्मक, रचनात्मक थी और दोनों पक्षों की समझ में वृद्धि हुई थी।

दुनिया के 3 अरब लोगों को होगी कोरोना वैक्सीन की देरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) गम्पेला (बुर्किना फासो)। अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में एक छोटा स्थान है गम्पेला, जहां के चिकित्सा केंद्र में पिछले करीब एक साल से रेफ्रिजरेटर काम नहीं कर रहा है। दुनिया भर में ऐसे कई स्थान हैं जहां यह सुविधा अभी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में कोरोना वायरस का काबू के अभियान में बाधा आ सकती है। पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाले कोरोना वायरस के टीके को सुरक्षित रखने के लिए फैक्ट्री से लेकर सिरिंज (सुई) तक लगातार 'कोल्ड चेन' की जरूरत होगी।

विकासशील देशों में 'कोल्ड चेन' बनाने की दिशा में हुई प्रगति के बाद भी दुनिया के 7.8 अरब लोगों में से लगभग तीन अरब लोग ऐसे हैं जिन तक कोविड-19 पर काबू पाने के लिए टीकाकरण अभियान की खातिर तापमान-नियंत्रित भंडारण नहीं है। इसका नतीजा यह होगा कि दुनिया भर के निर्धन लोग जो इस घातक वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, उन तक यह टीका सबसे अंत में पहुंच सकेगा।

टीके के लिए 'कोल्ड चेन' गरीबों के खिलाफ एक और असमानता है जो अधिक भीड़ वाली स्थितियों में रहते हैं और काम करते हैं। इससे वायरस को फैलने का मौका मिलता है।

लद्दाख की ठंड से चीनी सेना के उड़े होश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। लद्दाख की भीषण ठंड से अभी से चीनी सेना के होश उड़े हुए हैं। उसके अधिकतर सैनिक इतनी ज्यादा ऊंचाई पर रहने के अभ्यस्त नहीं हैं। इस कारण बड़ी संख्या में चीनी सैनिक बीमार भी पड़ रहे हैं। अक्टूबर की शुरूआत से ही लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड की भीषण मार पड़नी शुरू हो गई है। भारतीय सेना ने चीन की चाल को पहले ही समझते हुए अपने जवानों को पूरी तरह से लद्दाख के वातावरण के अनुकूल ढाल दिया है। वहीं, चीनी सेना भी अपने सैनिकों को गर्म कपड़े और जरूरी साजोसामान से लैस कर रही है। हॉन्ग कॉन्ग की साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी तिब्बत मिलिट्री कमांड के आधिकारिक वीचैट अकाउंट पर इससे जुड़ा हुआ एक वीडियो पोस्ट किया गया था।

इजरायली पैसेंजर प्लेन के बेहद करीब पहुंचा रूसी सुखोई एसयू-27

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रूस और इजरायल ने साधी चुप्पी

तेल अवीव। ग्रीस से तेल अवीव जा रहे इजरायल के एक यात्री विमान के बेहद पास एक रूसी फाइटर जेट पहुंच गया। विमान में बैठे यात्री इतनी नजदीक किसी दूसरे देश के फाइटर जेट को देखकर घबरा गए। जिस समय यह घटना हुई उस समय इजरायली यात्री विमान साइप्रस के एयरस्पेस में था। साइप्रस के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने इतने नजदीक रूसी फाइटर प्लेन को देखकर तत्काल चेतावनी जारी की। जिसके बाद से वह लड़ाकू विमान इजरायल के यात्री विमान से दूर हुआ।

साइप्रस के एयरस्पेस में हुई घटनाः टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना रविवार दोपहर की है। उस समय इजरायली यात्री विमान एयरबस ए320 ग्रीस के द्वीप रोड्स से तेल अवीव के लिए जा रहा था। तभी खतरनाक ढंग से रूसी सुखोई एसयू-27 इस यात्री विमान के करीब आ गया। दोनों विमानों ने लगभग एक मिनट तक खतरनाक दूरी पर उड़ान भरी।

क्या है वैश्विक उड़ान नियमः वैश्विक हवाई उड़ान नियमों के अनुसार, किसी भी यात्री विमान के उड़ान के दौरान उसके एक मील के दायरे में कोई भी लड़ाकू विमान नहीं आ सकता है। ऐसा तभी किया जाता है जब कोई आपात स्थिति हो या फिर यात्री विमान ने इसके लिए सहायता मांगी हो। लेकिन, रूस के इस लड़ाकू विमान ने अचानक इजरायली यात्री विमान के पास आकर खतरा पैदा कर दिया।

इस घटना पर न तो इजरायल ने और न हीं रूस के सरकारी अधिकारियों ने कोई टिप्पणी की है। रूस के जंगी जहाज इस समय सीरिया में तैनात हैं। जो आए दिन पड़ोसी देशों की सीमा पार कर दूसरे की एयरस्पेस में घुस जाते हैं। इसी कारण जब भी कोई यात्री विमान इस क्षेत्र से गुजरता है तो उसे इजरायल या तुर्की के फाइटर जेट अपने संरक्षण में लेकर सुरक्षित रूप से बॉर्डर पार कराते हैं।

पाकिस्तान में इमरान खान और मरियम नवाज शरीफ गुत्थम-गुत्था

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजनीति में आए नए सियासी तूफान के केंद्र में अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ गए हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान नियाजी और विपक्षी पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज गुट की नेता मरियम नवाज शरीफ दोनों एक-दूसरे को पीएम मोदी का दोस्त बताकर तीखे हमले कर रहे हैं। दोनों नेता पीएम मोदी के नाम पर खुद को देशभक्त साबित करने में जुट गए हैं। इमरान और मरियम के बीच यह वार-पलटवार ऐसे समय पर हो रहा है कि जब विपक्ष दलों ने गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने इमरान और पाकिस्तानी सेना के रातों की नींद गायब कर दी है। इमरान खान के नवाज शरीफ को पीएम मोदी का दोस्त बताए जाने के बाद अब पीएमएल एन नेता की बेटी मरियम नवाज ने करारा पलटवार किया है। उन्होंने कराची के जलसे में कहा, हम जब जवाब मांगते हैं तो इमरान कहते हैं कि नवाज शरीफ मोदी की जुबान बोलता है।